

जिस घर में बाबोसा की दिव्य ज्योती जलती है लिरिक्स



उस घर के हर दरवाजे पर,
खुशियाँ पहरा देती है,
जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।

उस घर की चौखट पर,
जय बाबोसा लिखा होगा,
कही पे बाबोसा का मुकुट,
कहि पे घोंटा रखा होगा,
उस घर से हर अला बला,
कोसो दूर रहती है,
जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।

शुभ लाभ हर कोने में,
संग रिद्धि सिद्धि रहती है,
ये स्वर्ग से सुन्दर घर वो,
जहाँ प्रेम की गंगा बहती है,
संस्कारों की पूंजी,
उस घर में जमा रहती है,
जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।

बाबोसा की आज्ञा पाकर,
उस घर बाईसा आते हैं,
बाईसा के चरणों में,
सब नित नित शीश झुकाते हैं,
'दिलबर' ऐसी भक्ति तो,
किस्मतवाले को मिलती है,
जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।

उस घर के हर दरवाजे पर,
खुशियाँ पहरा देती है,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।

गायक – श्री हर्ष व्यास मुम्बई।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365
